ge no 8 Danik jagran dt 25/3/23

लखनऊ आसपास

ामा 'सामूहिक प्रयास से रोकिए पानी की बर्बादी'

ाल दैनिक जागरण की पहल : नगर पंचायत बंथरा कार्यालय के सभागार में हुई चौपाल

संवादसूत्र, बंथरा : जहां देखो लोग पानी की बर्बादी कर रहे हैं, स्वच्छ जल वाहन धोने में बर्बाद किया जा रहा है। हमें पीने के पानी की बर्बादी रोकनी होगी। अगर अभी से इसको चिंता नहीं की गई तो समस्या विकराल हो जाएगी।

पानी की बर्बादी रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है, इसलिए सभी को अपनी जिम्मेदारी तय करते हुए इसके लिए काम करना होगा। यक बातें शुक्रवार की दोपहर नगर पंचायत बंथरा कार्यालय के सभागार में अधिशासी अधिकारी विनीत श्रीवास्तव ने कहीं। दैनिक जागरण की जल संरक्षण चौपाल में उन्होंने कहा कि अनावश्यक पानी की बर्बादी से जलस्तर गिर रहा है। हम कुछ पद्धतियों को अपनाकर जलस्तर को बढ़ा सकते

समाजसेवी सुरेश सिंह चौहान ने कहा कि जल को संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। कम से कम पानी का इस्तेमाल करें, वर्षा जल को संरक्षित करके उसी से कपड़े, बर्तन, घर और गाड़ियों की धुलाई का काम करें। इसके अलावाराजेंद्र सिंह चौहान, शिवम सिंह, सुभाष पासी आदि लोगों ने भी जल संचयन पर चर्चा करते हुए इस दिशा में काम करने की शपथ ली। इस मौके पर पीनू रावत, रेशब खान, मोनू सिंह, मुमताज, नियाज, धर्मेंद्र सिंह चौहान, भानु प्रताप सिंह, दीपक सिंह, जयदीप त्रिवेदी मौजूद रहे।

जैविक खेती की आधुनिक तकनीक सीखी

किसानों को बर्मी कंपोस्ट बनाने की जानकारी देते विशेषज्ञ ● जागरण

संसू,बख्शी का तालाब : केंद्र सरकार की परंपरागत कृषि विकास योजना को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रशिक्षित किया गया। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डा. सत्येंद्र कुमार सिंह ने जैविक खेती की आधुनिक तकनीक के बारे मे जानकारी दी।

उन्होंने मोटे अनाजों की खेती करने के लिए किसानों को प्रेरित किया। किसानों को मोटे अनाज की उपयोगिता की जानकारी दी गई। डा. वाईके सिंह ने मशरूम की खेती से होने वाले लाभ बताए।

नशेड़ी
संसू, निगो
के मामले
मृतक के
नशेड़ी दो
है, जिनके
कार्ड और
है। पुलिस
बिल्कुल कर
शख्स एक
बात की पड़
पुलिस दस्ता
साफ इन्कार
नदौली गां

आयुष विभ
विज्ञापन संख्य
को जारी किय
दिनांक 08.01
अभिलेखों सहि
विज्ञप्ति आयो
संख्या– 508
दिनांक: प्रया

I परंपरागत कृषि विकास योजना को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया प्रशिक्षित

बीए न्यूज/अनुज राजपूत

बख्शी का तालाब। भारत सरकार की परंपरागत कृषि विकास योजना को बढ़ावा देने के लिए बख्शी का

तालाब स्थित राजकीय बीज भंडार के माध्यम से 50– 50 के कलस्टर्ड बनाकर किसानों को प्रशिक्षित किया गया। किसानों को मॉडल आधारित ऑर्गेनिक क्लास स्टडी कराई गई। इस अवसर पर चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने जैविक खेती की आधुनिक तकनीक के बारे मे जानकारी दी तथा मोटे अनाजों की खेती करने के लिए किसानों को प्रेरित किया और बताया मोटे अनाज पोषण से भरपूर होते हैं इन अनाजों में खनिज पदार्थ एवं मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं और सीमित साधनों में इनसे अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है तथा कम सिंचाई एवं खाद की भी आवश्यकता होती है। प्रमुख रूप से बाजरा, रागी, कंगनी, कोदो, सावां, कुटकी एवं चेना की खेती की तकनीकी जानकारी बतायी। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ योगेंद्र कुमार सिंह ने मशरूम की खेती पर चर्चा की तथा डॉ सुधीर कुमार रघुवंशी ने बरबरी बकरी पालन की तकनीकी जानकारी किसानों को दी। ६ किसानों को गोमूत्र आधारित जैविक खाद एवं मटका खाद बनाने की विधि भी बताई गई। महाविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के सहा– आचार्य डॉ धर्मेश कुमार सिंह ने केंचुआ खाद बनाने की विधि बताई। राजकीय बीज भंडार के अधीक्षक प्रमोद यादव ने परंपरागत कृषि विकास योजना के एक्शन प्लान पर चर्चा की तथा बताया कि जैविक खेती के लिए 400 हेक्टेयर भूमि का क्लस्टर बनाया गया है जिसमें 50– 50 किसानों के 20 क्लस्टर पंजीकृत कराए जा रहे हैं प्रमुख रूप से इन्हें एक ड्रम, एक स्प्रेयर, एक बाल्टी एक मग्घा, 5 किलो वेस्ट डीकंपोजर तथा 500 ग्राम तरल पदार्थ दिया जा रहा है। जिसमें ६4750 किसान के खाते में सब्सिडी दी जा रही है। प्रशिक्षण में 50 किसान कृषि विभाग के कृषि तकनीकी अधिकारी राहुल गुप्ता, डॉ दीपक पांडे एवं दीपक यादव उपस्थित रहे।

'सामूहिक प्रयास से रोकिए पानी की बर्बादी'

दैनिक जागरण की पहल : नगर पंचायत बंथरा कार्यालय के सभागार में हुई चौपाल

संवादसूत्र, बंथरा : जहां देखो लोग पानी की बर्बादी कर रहे हैं, स्वच्छ जल वाहन धोने में बर्बाद किया जा रहा है। हमें पीने के पानी की बर्बादी रोकनी होगी। अगर अभी से इसकी चिंता नहीं की गई तो समस्या विकराल हो जाएगी।

पानी की बर्बादी रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है, इसलिए सभी को अपनी जिम्मेदारी तय करते हुए इसके लिए काम करना होगा। यक बार्ते शुक्रवार की दोपहर नगर पंचायत बंथरा कार्यालय के सभागार में अधिशासी अधिकारी विनीत श्रीवास्तव ने कही। दैनिक जागरण की जल संरक्षण चौपाल में उन्होंने कहा कि अनावश्यक पानी की बर्बादी से जलस्तर गिर रहा है। हम कुछ पद्धतियों को अपनाकर जलस्तर को बढ़ा सकते समाजसेवी सुरेश सिंह चौहान ने कहा कि जल को संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। कम से कम पानी का इस्तेमाल करें, वर्षा जल को संरक्षित करके उसी से कपड़े, बर्तन, घर और गाड़ियों की धुलाई का काम करें। इसके अलावाराजेंद्र सिंह चौहान, शिवम सिंह, सुभाष पासी आदि लोगों ने भी जल संचयन पर चर्चा करते हुए इस दिशा में काम करने की शपथ ली। इस मौके पर पीनू रावत, रेशब खान, मोंनू सिंह, मुमताज, नियाज, धर्मेंद्र सिंह चौहान, भानु प्रताप सिंह, दीपक सिंह, जयदीप त्रिवेदी मौजूद रहे।

जैविक खेती की आधुनिक तकनीक सीखी

किसानों को वर्मी कंपोस्ट बनाने की जानकारी देते विशेषज्ञ ● जागरण

संसू,बख्शी का तालाब : केंद्र सरकार की परंपरागत कृषि विकास योजना को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रशिक्षित किया गया। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डा. सत्येंद्र कुमार सिंह ने जैविक खेती की आधुनिक तकनीक के बारे मे जानकारी दी।

उन्होंने मोटे अनाजों की खेती करने के लिए किसानों को प्रेरित किया। किसानों को मोटे अनाज की उपयोगिता की जानकारी दी गई। डा. वाईके सिंह ने मशरूम की खेती से होने वाले लाभ बताए।

नशेड़

संसू, निगो
के मामले
मृतक के
नशेड़ी दो
है, जिनके
कार्ड और
है। पुलिस
बिल्कुल कर
शख्स एक
बात की पड़
पुलिस दस्ता
साफ इन्कार
नदौली गां

उ

आयुष विभ
विज्ञापन संख्य
को जारी किय
दिनांक 08.0
अभिलेखों सहि
विज्ञप्ति आयो
संख्या- 508
दिनांक: प्रय

अमर उजाला my city 4

किसानों ने सीखा जैविक खाद बनाना

संवाद न्यूज एजेंसी

बख्शी का तालाब। जैविक खेती की जानकारी देने के लिए कक्षाएं चलाई गई। इसमें 50-50 के समूह बनाकर किसानों को प्रशिक्षित किया गया। चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कृषि विकास योजना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजकीय बीज भंडार के जरिये इसका आयोजन किया गया। इस दौरान जैविक खेती की आधुनिक तकनीक के बारे में बताया गया।

राजकीय बीज भंडार के माध्यम से किसानों के लिए चलाई कक्षाएं

कक्षा में मोटे अनाजों की खेती करने के लिए प्रेरित किया। बताया कि मोटे अनाज पोषण से भरपूर होते हैं। इनमें भरपूर पोषक तत्व हैं। इसलिए सीमित साधनों में इनसे अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। कम खाद और कम लागत में भी भरपूर पैदावार मिल सकती है। पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र कुमार सिंह ने मशरूम की खेती पर चर्चा की तथा डॉ. सुधीर कुमार रघुवंशी ने बरबरी बकरी पालन की तकनीकी पर किसानों को जानकारी दी। किसानों को गोमूत्र आधारित जैविक खाद एवं मटका खाद बनाने की विधि भी बताई गई।

मृदा विज्ञान विभाग के सहा. आचार्य डॉ. धर्मेश कुमार सिंह ने केंचुआ खाद बनाने की विधि बताई। राजकीय बीज भंडार के अधीक्षक प्रमोद यादव ने परंपरागत कृषि विकास योजना पर चर्चा की। बताया कि जैविक खेती के लिए 400 हेक्टेयर भूमि का क्लस्टर बनाया गया है, जिसमें 50-50 किसानों के 20 क्लस्टर पंजीकृत कराए जा रहे हैं।

नई तकनीकी से खेती करें किसान : निखिल नंदा

नगराम। समेसी स्थित मेला मैदान में शुक्रवार को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एस्कॉर्ट समूह के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर निखिल नंदा ने नई तकनीकी से खेती करने की सलाह दी। समूह के इंडिया हेड नीरज मेहरा ने नई तकनीक इस्तेमाल कर वैज्ञानिक विधि से खेती करने की अपील की। बाजार में वॉटर कूलर व सामुदायिक मिलन केंद्र परिसर में उच्च तकनीक की हैलोजन लाइट की सौगात दी गई। 12 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। (संवाद)

'सामूहिक प्रयास से रोकिए पानी की बर्बादी'

दैनिक जागरण की पहल : नगर पंचायत बंथरा कार्यालय के सभागार में हुई चौपाल

संवादसूत्र, बंथरा : जहां देखो लोग पानी की बर्बादी कर रहे हैं, स्वच्छ जल वाहन धोने में बर्बाद किया जा रहा है। हमें पीने के पानी की बर्बादी रोकनी होगीं। अगर अभी से इसकी चिंता नहीं की गई तो समस्या विकराल हो जाएगी।

पानी की बर्बादी रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है, इसलिए सभी को अपनी जिम्मेदारी तय करते हुए इसके लिए काम करना होगा। यक बातें शुक्रवार की दोपहर नगर पंचायत बंथरा कार्यालय के सभागार में अधिशासी अधिकारी विनीत श्रीवास्तव ने कही। दैनिक जागरण की जल संरक्षण चौपाल में उन्होंने कहा कि अनावश्यक पानी की बर्बादी से जलस्तर गिर रहा है। हम कुछ पद्धतियों को अपनाकर जलस्तर को बढ़ा सकते

जल है तो कल है

समाजसेवी सुरेश सिंह चौहान ने कहा कि जल को संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। कम से कम पानी का इस्तेमाल करें, वर्षा जल को संरक्षित करके उसी से कपड़े, बर्तन, घर और गाड़ियों की धुलाई का काम करें। इसके अलावाराजेंद्र सिंह चौहान, शिवम सिंह, सुभाष पासी आदि लोगों ने भी जल संचयन पर चर्चा करते हुए इस दिशा में काम करने की शपथ ली। इस मौके पर पीनू रावत, रेशब खान, मोंनू सिंह, मुमताज, नियाज, धर्मेंद्र सिंह चौहान, भानु प्रताप सिंह, दीपक सिंह, जयदीप त्रिवेदी मौजूद रहे।

जैविक खेती की आधुनिक तकनीक सीखी

किसानों को बर्मी कंपोस्ट बनाने की जानकारी देते विशेषज्ञ • जागरण

संसू,बख्शी का तालाब : केंद्र सरकार की परंपरागत कृषि विकास योजना को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रशिक्षित किया गया। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डा. सत्येंद्र कुमार सिंह ने जैविक खेती की आधुनिक तकनीक के बारे मे जानकारी दी।

उन्होंने मोटे अनाजों की खेती करने के लिए किसानों को प्रेरित किया। किसानों को मोटे अनाज की उपयोगिता की जानकारी दी गई। डा. वाईके सिंह ने मशरूम की खेती से होने वाले लाभ बताए।